

प्रीलमिस फैक्ट्स: 7 नवंबर, 2019

- [बंजर भूमि एटलस- 2019](#)
- [दनाकलि डपिरेसन](#)
- [क्यासानुर फॉरेस्ट डजीज](#)
- [कोर नविश कंपनी](#)

बंजर भूमि एटलस- 2019 Wasteland Atlas— 2019

हाल ही में देश की बंजर भूमि हेतु डेटाबेस की उपलब्धता के महत्व को देखते हुए केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री ने बंजर भूमि एटलस-2019 (Wastelands Atlas- 2019) का विमोचन किया।



बंजर भूमि एटलस- 2019

- राष्ट्रीय रमिट सेंसिंग सेंटर (National Remote Sensing Centre- NRSC) द्वारा भारतीय दूरसंचेदी उपग्रह डेटा का उपयोग करते हुए बंजर भूमि मानचित्रण को 'बंजर भूमि एटलस- 2019' के पांचवें संस्करण के रूप में प्रकाशित किया गया है।
 - इससे पहले भूमिसंसाधन वभिग ने अंतरक्रिय वभिग (Space Department) के NRSC के सहयोग से भारत के बंजर भूमि एटलस के वर्ष 2000, 2005, 2010 और 2011 के संस्करण को प्रकाशित किया था।
- बंजर भूमि एटलस- 2019 में जम्मू-कश्मीर के अब तक के सर्वेक्षण नहीं किए गए 12.08 मलियन हेक्टेयर क्षेत्र को भी शामिल किया गया है।
- इसके अलावा एटलस में बंजर भूमि की वभिन्न शरणियों के ज़लि और राज्यवार वभिजन को प्रकाशित किया गया है।
- इस एटलस में वर्ष 2008-09 से वर्ष 2015-16 के बीच हुए परविरतनों को शामिल किया गया है।
- इसके अनुसार राजस्थान, बहिर, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, मजिओरम, मध्य प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पश्चिम बंगाल राज्यों में बड़े पैमाने पर बदलाव आया है।
- अधिकांश बंजर भूमि को फसलीकरण, वृक्षारोपण और औद्योगिक क्षेत्रों की शरणियों में परविरतति कर दिया गया है।

दनाकलि डपिरेसन Danakil Depression

नेचर एकोलोजी एंड एवोल्यूशन में प्रकाशिति एक अध्ययन के अनुसार, दनाकलि (Danakil) पर सक्रयि और स्वाभाविक रूप से चलने वाला जीवन संभव नहीं है।



दनाकलि डप्ट्रेसन

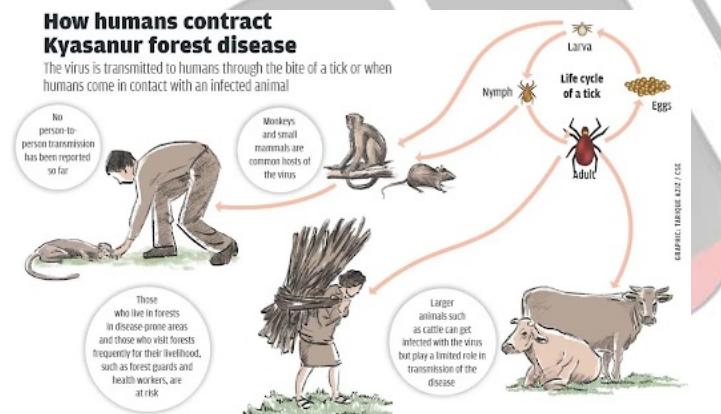
- यह उत्तरी-पूर्वी इथियोपिया में अवस्थिति है तथा वशिव का सबसे ग्रम स्थान के साथ-साथ वशिव के सबसे गहरे स्थानों में से एक है जिसकी गहराई समुद्र तल से 100 मीटर है।
- इसे रफ्ट घाटी के उत्तरी छोर पर अवस्थिति लाल सागर से एक सक्रयि ज्वालामुखी द्वारा अलग किया जाता है।
- इस मैदान का नरिमाण एक अंतःस्थलीय जल नकिय के वाष्पीकरण द्वारा हुआ था।
- दनाकलि में प्रवेश करने वाला सारा जल वाष्पति हो जाता है और यहाँ से जल की कोई धारा प्रवाहित नहीं होती है।
- यहाँ लगभग 10 लाख टन से अधिक लवण की मात्रा विद्यमान है।

क्यासानूर फॉरेस्ट डज़िज़िज़

Kyasanur Forest Disease

हाल ही में कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित मलनाद में बंदरों के लिये बनाए जाने वाले पारक की वयहारयता को लेकर प्रयावरणविदों के बीच संशय बना हुआ है।

- इनके अनुसार ऐसे पारक से क्यासानूर फॉरेस्ट डज़िज़ (Kyasanur Forest Disease- KFD) के संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है।



क्यासानूर फॉरेस्ट डज़िज़

- क्यासानूर फॉरेस्ट डज़िज़ को सामान्यतः मंकी फीवर (Monkey Fever) के नाम से भी जाना जाता है।
- यह क्यासानूर फॉरेस्ट डज़िज़ वायरस (Kyasanur Forest Disease Virus-KFDV) के कारण फैलता है। जो फ्लेवीवायरस (Flavivirus) के समुदाय से संबंधित है।
- क्यासानूर वायरस की पहचान वर्ष 1957 में एक बीमार बंदर में की गई थी। उसके बाद से प्रत्येक वर्ष लगभग 400-500 मानव संक्रमण के मामले सामने आए हैं।
- KFDV कर्नाटक राज्य में स्थानकि है।
- संक्रमित क्रतंक (Rodents), बंदर, छछूदर आदि KFDV के वाहक (Hosts) हैं।
- मनुष्यों में यह टकि (Tick) के काटने या संपर्क में आने से हो सकता है।
- KFDV के लिये कोई वशिष्ट उपचार नहीं है, हालाँकि विरतमान में इसके लिये टीका उपलब्ध है।

कोर नविश कंपनी

Core Investment Companies

भारतीय रजिस्टर बैंक (Reserve Bank Of India- RBI) द्वारा स्थापित तपन रे की अध्यक्षता में कार्यरत एक समूह ने कोर इन्वेस्टमेंट कंपनियों (Core Investment Companies- CIC) के लिये कड़े कॉर्पोरेट प्रशासन दशा-नियन्त्रणों का प्रस्ताव किया है।



- कोर नविश कंपनियों (Core Investment Companies- CIC) पर लागू होने वाले वनियमक दशा-नियन्त्रणों और ढाँचे की समीक्षा करने के लिये RBI ने इस कार्यदल का गठन किया था।
- RBI के अनुसार, मौजूदा ढाँचा कंपनियों के जटिलि कॉर्पोरेट प्रशासन संरचना को संभालने में असमर्थ है जिसके कारण उसकी समीक्षा करने और उसमें महत्वपूर्ण बदलाव करने की आवश्यकता है।

कोर नविश कंपनी

- CIC गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ ((Non Banking Finance Companies- NBFC) हैं जिनकी संपत्ति 100 करोड़ रुपए से अधिक होती है और जो RBI की कुछ शर्तों के अधीन शेयरों एवं प्रताभीतियों के अधिग्रहण का व्यवसाय करती हैं।
- इक्वटी शेयरों, वरीयता शेयरों, बॉण्ड, डिविचर, ऋण या ऋण में नविश के रूप में CIC अपनी शुद्ध संपत्तिका 90% से कम नहीं रख सकती हैं।
- 100 करोड़ रुपए से कम की संपत्तिवाली CICs को RBI से पंजीकरण और वनियमन से छूट केवल तभी दी जाती जब वे वित्तीय क्षेत्र में विदेशी नविश करना चाहती हैं।

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-7-november-2019>